पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

सामंथा रुथप्रभु को हुआ चिकनगुनिया

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 263 ■ रविवार, 12 जनवरी 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

धड़ल्ले से चल रही 'जींस वॉश' की फैक्ट्रियां

- फार्म हाउस का कर रहे इस्तेमाल
- कार्रवाई नहीं होने से किसान नाराज
- रासायनिक पानी से कृषि भूमि और फसलें हो रहीं प्रभावित

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न फार्महाउसों का उपयोग जींस धुलाई कारखानों के लिए किया जा रहा है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में जींस धुलाई इकाइयों की बढ़ती संख्या अब कई किसानों को परेशान कर रही है और आंबेशिव टिटवाला रोड पर कुछ फार्महाउस किराए पर लेकर इन जगहों पर अवैध जींस धुलाई कारखाने चल रहे हैं। इस फैक्ट्री से निकलने वाला रासायनिक पानी कृषि भूमि और कृषि फसलों को प्रभावित कर रहा है। हालांकि इसके बाद भी महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा इस गंभीर समस्या की अनदेखी किए जाने से किसान नाराज हैं।

उल्हासनगर में जींस वॉश कारखानों द्वारा वालधुनी नदी में होने वाले रासायनिक प्रदूषण को देखते हुए राज्य के पर्यावरण विभाग ने क्षेत्र में सभी जींस वॉश कारखानों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हालांकि, इसके बाद इस जींस वॉशिंग फैक्ट्री के लिए कोई ठोस उपाय या स्थान उपलब्ध नहीं कराया गया। इसलिए, जींस निर्माताओं ने अंबरनाथ तालुका के अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर शहरों के बाहरी इलाकों में ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में अवैध जींस धोने की फैक्ट्रियां शुरू कर दी हैं। इन जींस धुलाई कारखानों से निकलने वाला रासायनिक पानी ग्रामीण क्षेत्रों की मिट्टी में बहा दिया जाता है।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग शिकायतों पर ध्यान नहीं देता...!

इस जींस वॉशिंग फैक्ट्री का पानी सीधे कुछ किसानों के खेतों में जा रहा है। इसका असर कृषि भूमि पर पड़ रहा है और फसलें भी रासायनिक पानी से प्रभावित हो रही हैं, जिससे पैदावार कम हो रही है। किसानों की शिकायत है कि रासायनिक पानी के कारण क्षेत्र में भारी दुर्गंध फैल रही है। इसलिए, कृषि उत्पादों पर निर्भर किसानों को अकाल की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय किसानों ने इस संबंध में महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, स्थानीय ग्राम पंचायतों और विभिन्न संबंधित कार्यालयों में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने से किसान दहशत में हैं। इस संबंध में एमपीसीबी कल्याण विभाग के उप क्षेत्रीय अधिकारी जयंत कदम ने कहा है कि एमपीसीबी को शिकायत मिली है और जल्द ही इस अवैध जींसवॉश फैक्ट्री के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों को नहीं मिल रहा मृत्यु प्रमाण पत्र

- उल्हासनगर 2 की श्मशान भूमि से नहीं मिल रही रसीद
- नशेड़ियों के अड्डे बने श्मशान भूमि
- शहर के सभी श्मशान भूमि दयनीय अवस्था में
- श्मशान भूमि में सुविधाओं का अभाव

उल्हासनगर. मृतक के परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मृतक के परिजनों को मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवश्यक श्मशान भूमि से रसीद नहीं मिल रही है. ज्ञात हो कि उल्हासनगर कैंप दो स्थित श्मशान भूमि में अंतिम संस्कार करने वाले मृतकों के परिजनों को रसीद नहीं मिलती है, जिससे नागरिकों को मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि यह कार्यालय पिछले दो महीनों से बंद है, इसलिए यह बात सामने आई है कि महानगर पालिका द्वारा नियुक्त कर्मचारी यहाँ नहीं आ रहे हैं, जैसे ही उल्हासनगर शिवसेना प्रभाग प्रमुख ज्ञानेश्वर मार्सले ने इस पर ध्यान दिया, वह तुरंत कार्यालय में गए उन्होंने मनपा से जवाब मांगा है और मनपा अधिकारियों से मांग की है कि कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए. ज्ञात हो कि शहर की सभी श्मशान भूमि दयनीय अवस्था में है यहां सुविधाओं का अभाव है। यह नशेड़ियों के अड्डे बने हुए हैं। शहर की सभी श्मशान भूमियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

भिवंडी में भीषण आग से 5 गोदाम जलकर स्वाहा

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी ग्रामीण भाग ओली ग्रामपंचायत स्थित एक भंगार गोदाम में लगी भीषण आग से आसपास के 5 गोदाम जलकर स्वाहा हो गए.सूचना मिलते ही दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाने में कामयाबी हासिल की.

मिली जानकारी के अनुसार, ओली ग्रामपंचायत हद स्थित खाली जगह पर पतरे से घेरकर बनाए गए गोदाम में प्लास्टिक,पुट्ठा, रद्दी पेपर आदि भंगार जमा कर रखा था.दोपहर करीब 2 बजे अचानक लगी भीषण आग से तमाम भंगार जलकर स्वाहा हो गया.पुलिस एवं दमकल कर्मियों की कड़ी मेहनत से आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक भंगार गोदाम के आसपास मौजूद 5 गोदाम आग की चपेट में आकर जल गए. दमकल कर्मियों ने बताया कि, भंगार गोदाम में लगी आग को बुझाने में काफी दिक्कत हुई क्योंकि पानी नजदीक में कहीं उपलब्ध नहीं था.पुलिस आगजनी का मामला दर्ज कर विवेचना कर रही है.

अंबरनाथ में कार चालक ने दूसरी कार को मारी टक्कर

- 3 लोग मामूली घायल
- कार पर भाजपा जिला सचिव लिखा है
- कार में शराब की बोतलें भी मिलीं

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में अर्टिगा कार ने एक दूसरी कार को जोरदरा टक्कर मार दी. दोनों का का नुकसान हुआ है. कार में बैठे 3 लोग मामूली घायल हुए हैं. जिस अर्टिगा कार ने दूसरी कार को टक्कर मारी है. अर्टिगा कार में शराब की बोतलें मिली हैं, जबकि इस कार पर भाजपा का कमल का निशान लगा हुआ है और भाजपा जिला सचिव भी लिखा हुआ है.

शिवाजी नगर पुलिस में विजय महाजन ने शिकायत लिखाया है. चालक के विरुद्ध तेज रफ्तारी से कार चलाने का अपराध दर्ज हुआ है. लेकिन पुलिस को ये नहीं मालूम पड़ रहा है कि भाजपा लिखी हुई कार कौन चला रहा था. ये कार भाजपा के किस नेता की है. पुलिस का कहना है कि जांच चल रही है. क्या पुलिस उस नेता को बचा रही है? ऐसी चर्चा शहर में है.

गुरुवार रात को अर्टिगा कार नं. एमएच 05 एफबी 6074 ने लोकनगरी बायपास रोड के किनारे खड़ी एमएच 05 डीएस 7995 कार की पीछे से जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में कार एक गड्ढे में जाकर गिर गई. दोनों कार का नुकसान हुआ है. जिस कार को टक्कर मारी गई है, वह कार का चालक विजय महाजन लोकनगरी के एक डेयरी में दूध लेने आया था. भाजपा सचिव की कार कौन चला रहा था. ये कार किस नेता की है. इस बार में पुलिस गुप्तता बरत रही है.

जमीर लेंगरेकर मनपा के प्रभारी आयुक्त

- मनपा आयुक्त की दौड़ में दो नाम

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त विकास ढाकने को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का उपसचिव नियुक्त किए जाने के बाद आयुक्त पद का प्रभार अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर को दिया गया। अंबरनाथ नगर पालिका प्रशासक डॉ. प्रशांत रसाल और अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर के नामों पर चर्चा आयुक्त पद के लिए हो रही है.

पिछले अगस्त माह में उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त नियुक्त किए जाने के बाद विकास ढाकणे ने आयुक्त के रूप में अपने कार्यकाल के मात्र 4 महीनों में ही कई विकास कार्यों की शुरुआत की। साथ ही खुले स्थानों व सड़क के किनारे ग्रीन बेल्ट बनाने, अवैध निर्माणों को नियमित करने, खतरनाक इमारतों का मुद्दा सरकार तक पहुंचाकर कमिश्नर व मेयर बंगलों को प्राथमिकता देने, नए मनपा भवन का नक्शा पास करवाने का काम किया. मनपा की अपनी जलापूर्ति योजना का प्रस्ताव शासन के समक्ष रखा गया। विभिन्न विकास कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान उन्हें अचानक उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का उप सचिव नियुक्त कर दिया गया।

मनपा के प्रभारी आयुक्त पद का प्रभार अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर को दिया गया। लेंगरेकर खुद आयुक्त पद की दौड़ में हैं, जबकि अंबरनाथ नगर पालिका प्रशासक डॉ. प्रशांत रसाल के नाम पर भी चर्चा हो रही है।

बताया जा रहा है कि सत्तारूढ़ पार्टी के स्थानीय नेताओं ने वरिष्ठ नेता से आग्रह किया है कि लेंगरेकर को आयुक्त का पद दिया जाए, क्योंकि उन्होंने मनपा में अच्छा काम किया है। यह भी कहा जा रहा है कि मनपा आयुक्त के पद का मसला सोमवार तक हल हो जाएगी।

बदलापुर में रिक्शा किराया बढ़ाने से नाराज़गी

- बदलापुर में रिक्शा चालकों द्वारा वृद्धि
- किराया वृद्धि अवैध - आरटीओ

बदलापुर. बदलापुर के हजारों रिक्शा चालकों ने अचानक किराया 5 रुपये बढ़ा दिया है. हालांकि पेट्रोल और सीएनजी की कीमतों में कोई बड़ी बढ़ोतरी नहीं हुई है। यात्रियों को आश्चर्य हुआ कि

रिक्शा चालकों ने किराया बढ़ाने का फैसला क्यों लिया। इस बीच, आरटीओ ने स्पष्ट किया है कि रिक्शा चालकों द्वारा किराया वृद्धि अवैध है। दिलचस्प बात यह है कि पिछले डेढ़-दो महीने से ये रिक्शा चालक यात्रियों से 5 रुपये अधिक वसूल रहे हैं, पहले यह किराया 15 रुपये था, अब इसमें 5 रुपये की बढ़ोतरी कर 20 रुपये कर दिया गया है. इस बीच, रिक्शा एसोसिएशन और रिक्शा चालकों से कल्याण आरटीओ कार्यालय में संदर्भ प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है कि रिक्शा एसोसिएशन ने किस नियम और किसके अनुरोध पर किराया बढ़ाया है यह भी स्पष्ट नहीं है। बदलापुर में कोई भी यात्री अतिरिक्त किराया न दे और यदि किसी को आरटीओ को इसकी सूचना देने के लिए मजबूर किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ऐसा आव्हान किया गया है श। ऐसे में बदलापुर में किराया वृद्धि कम होने का संकेत मिलने से यात्रियों को इससे बड़ी राहत मिलेगी.

नाबालिग को गर्भवती करने वाला गिरफ्तार

- बदलापुर की घटना
- इंस्टाग्राम पर मिले थे दोनों
- 20 वर्षीय युवक के साथ प्रेम संबंध में थी नाबालिग
- बदलापुर पूर्व पुलिस में मामला दर्ज

बदलापुर. बदलापुर में एक बीस वर्षीय युवक ने सोलह साल की नाबालिग लड़की को गर्भवती कर देने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि युवक और नाबालिग लड़की की पहचान इंस्टाग्राम से हुई थी और दोनों तीन साल से रिलेशनशिप में थे लेकिन नाबालिग लड़की और लड़के के परिवार वाले उनके रिश्ते के खिलाफ थे। पिछले कुछ महीनों में उनके बीच नजदीकियां बढ़ीं और शारीरिक संबंध बने, जिससे लड़की गर्भवती हो गई। लड़की के पेट में अचानक दर्द होने पर उसके परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए. जब डॉक्टर ने लड़की की जांच की तो पता चला कि लड़की गर्भवती है. इसके बाद लड़की के परिजनों ने लड़के के खिलाफ मामला दर्ज करा लिया है। बदलापुर पूर्व पुलिस ने आरोपी लड़के को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच पुलिस कर रही है।

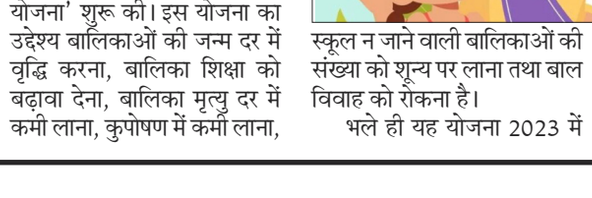

विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर बनी झुग्गियों को रेलवे ने किया ध्वस्त

कल्याण. विट्ठलवाड़ी पूर्व रेलवे स्टेशन के पास फुटपाथ पर बनी झोपड़ियों को रेलवे प्रशासन ने रेलवे सुरक्षा बल, स्थानीय पुलिस और जेसीआईबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। रेलवे प्रशासन ने इस झुग्गी बस्ती के निवासियों को बेदखली नोटिस जारी किया था। निवासियों ने कार्रवाई से पहले ही अपने घर खाली कर दिए थे।

प्रारंभ में इस क्षेत्र के निवासियों ने यहां फूस की झोपड़ियां बनाकर रहना शुरू किया था। चूंकि यहां कोई कार्रवाई नहीं की गई, इसलिए इस क्षेत्र के निवासियों ने धीरे-धीरे ईंटों और लोहे का उपयोग करके करीब 50 पक्के घर बना लिए थे. इन लोगों के भोजन और अन्य कई काम सड़कों पर ही किए जाते थे। जिससे यातायात में बाधा हो रही थी. इन झोपड़ियों के बच्चे सड़कों पर खेला करते थे। यह सबसे व्यस्त सड़क है। इसलिए दुर्घटना का भय बना हुआ था।

इन झोपड़ियों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर बहता था। ये लोग इलाके में लगे नल से पानी भर रहे थे। चूंकि विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन नजदीक ही है, इसलिए अगर इन झोपड़ियों में रहने वाले बच्चे खेलते समय रेलवे स्टेशन की तरफ पत्थर फेंकते तो यात्रियों के घायल होने की आशंका बनी रहती थी। ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस रेलवे स्टेशन पर पहले भी ऐसी घटना घट चुकी है। रेलवे प्रशासन को यह भी नहीं पता था कि फुटपाथ पर बनी इन झोपड़ियों में कौन रह रहा है और वे कहां से आ रहे हैं। इसलिए, इससे पहले कि कोई घटना घटित हो, रेलवे प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा में जेसीबी की मदद से विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन के बाहर की सभी झोपड़ियों को ढहा दिया।

नशे में धुत कार चालक ने 10 दोपहिया वाहनों को मारी टक्कर

- कार चालक अनिल तिवारी पुलिस हिरासत में

कल्याण. कल्याण पश्चिम के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में चिराग होटल के सामने सड़क पर एक शराबी चालक ने अपने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। इस वाहन के चालक ने सड़क किनारे खड़े आठ से दस दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। सौभाग्यवश, दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

टक्कर में कार और दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। चिराग होटल के सामने सड़क पर एक कार चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था। इस वाहन का चालक नशे में होने के कारण अपने वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। उसने सड़क किनारे खड़े आठ से दस दोपहिया वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के कारण जोरदार आवाज हुई, जिससे आसपास के पैदल यात्री और दुकानदार भाग खड़े हुए। इस क्षेत्र की सोसायटियों के निवासी सड़कों पर उतर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सौभाग्यवश, जब वाहन टकराया तो वहां कोई नहीं था। अन्यथा जान-माल का नुकसान हो सकता था। कार दुर्घटना के बाद सतर्क पैदल यात्री एकत्रित हुए और उन्होंने मोटर चालक को रोक लिया। इसकी सूचना तुरंत बाजारपेठ पुलिस को दी गई। पुलिस ने चालक को वाहन से बाहर खींच लिया क्योंकि वह नशे में था। ड्राइवर ने पुलिस को अपना नाम अनिल तिवारी बताया। जब पुलिस ने उसकी जांच की तो पता चला कि उसने शराब पी रखी थी। पुलिस ने उसका वीडियो बनाया।

पुलिस मोटर चालक को मेडिकल जांच के लिए मनपा के रुक्मिणीबाई अस्पताल ले गई। जांच में पता चला कि उसने शराब पी रखी थी। यह मोटर चालक बिना शर्ट के बनियान पहनकर वाहन चला रहा था। मेडिकल जांच के बाद पुलिस अनिल तिवारी को बाजारपेठ थाने ले आई।

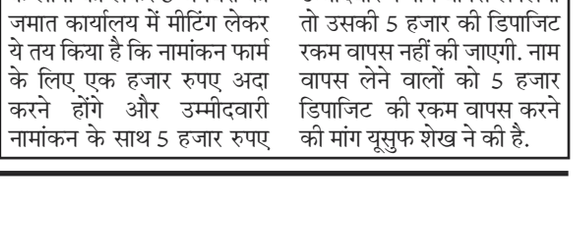

अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट चुनाव में वक्फ बोर्ड की मनमानी

- नामांकन फार्म के एक हजार रुपए लिए जा रहे
- मनमानी बंद करने की मांग

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के चुनाव में महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड की मनमानी देखी जा रही है. वक्फ बोर्ड औरंगाबाद ने चुनाव का शेड्यूल जारी कर दिया है. मतदान 19 जनवरी को है. 20 जनवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे. वक्फ बोर्ड ने शेड्यूल में नामांकन फार्म की कीमत एवं उम्मीदवारों द्वारा डिपाजिट कितना भरना है, ये घोषित नहीं किया है. चुनाव निर्णय अधिकारी एड. अल्ताफ शेख ने मुस्लिम जमात के लोगों को लेकर 8 जनवरी को जमात कार्यालय में मीटिंग लेकर ये तय किया है कि नामांकन फार्म के लिए एक हजार रुपए अदा करने होंगे और उम्मीदवारी नामांकन के साथ 5 हजार रुपए डिपाजिट भरने होंगे. फार्म की रकम एक हजार ज्यादा है. विधानसभा चुनाव में नामांकन फार्म की कीमत केवल 100 रुपए थी. ये एक प्रकार की मनमानी वक्फ बोर्ड कर रहा है. नामांकन फार्म की कीमत केवल 100 रुपए होनी चाहिए थी. ये मनमानी वक्फ बोर्ड बंद करे. उम्मीदवार डिपाजिट की रकम भी कम रखी जाए, ऐसा लिखित आब्जेक्शन पत्र मुस्लिम जमात ट्रस्ट के सदस्य यूसुफ शेख ने चुनाव निर्णय अधिकारी एड. अल्ताफ शेख को उम्मीदवारी भरने की आखिरी तारीख 11 जनवरी को देकर कहा है कि नामांकन के 100 रुपए लेकर शेष रकम वापस की जाए. 1000 रुपए लेना ये नियमानुसार नहीं है. अल्ताफ शेख ने ये भी बताया कि नाम वापस लेने के आखिरी तारीख तक किसी उम्मीदवार ने नाम वापस ले लिया तो उसकी 5 हजार की डिपाजिट रकम वापस नहीं की जाएगी. नाम वापस लेने वालों को 5 हजार डिपाजिट की रकम वापस करने की मांग यूसुफ शेख ने की है.

ठाणे जिले में एक वर्ष में 2,810 लाड़ली बेटियों को मिला लाभ

ठाणे. तकनीकी कठिनाइयों और जन जागरूकता की कमी के कारण शुरुआत में 'लेक लाड़की योजना' लाभार्थियों तक नहीं पहुंच सकी। इस पर ध्यान देते हुए जिला परिषद ने अब तकनीकी रूप से सक्षम होकर गांवों में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर इस योजना को अधिकतम लाभार्थियों तक पहुंचाने में सफलता हासिल की है। पिछले वर्ष जिले में इस योजना के लिए पात्र 2,898 लाभार्थियों में से 2,810 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। इस बीच, जिला परिषद के महिला एवं बाल कल्याण विभाग ने बताया कि शेष 88 लाभार्थियों को भी आगामी दिनों में लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार ने 'माझी कन्या भाग्यश्री योजना' में संशोधन करके 1 अप्रैल 2023 से 'लेक लाड़की योजना' शुरू की। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं की जन्म दर में वृद्धि करना, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना, बालिका मृत्यु दर में कमी लाना, कुपोषण में कमी लाना, स्कूल न जाने वाली बालिकाओं की संख्या को शून्य पर लाना तथा बाल विवाह को रोकना है।

भले ही यह योजना 2023 में शुरू की गई थी, लेकिन यह देखा गया कि इस योजना को लॉन्च के पहले वर्ष में ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं मिली। आवेदन पत्र भरने में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों और गांवों में जागरूकता की कमी के कारण ठाणे जिले में इस योजना के लाभार्थियों की संख्या कम देखी गई। हालांकि, इसे ध्यान में रखते हुए इस योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए जिले के गांवों में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया गया। तकनीकी बाधाएं भी दूर कर दी गईं। इसलिए जिला परिषद पिछले वर्ष जिले में 2,810 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने में सफल रही है।

ठाणे जिले में जिला परिषद के महिला एवं बाल कल्याण विभाग को अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के बीच 1,156 लड़कियों से आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से केवल 561 लड़कियां ही इस योजना के लिए पात्र थीं। हालांकि, बाद में गांवों में चलाए गए जागरूकता अभियान के कारण संबंधित विभाग को 31 दिसंबर 2024 तक 2,972 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 2,898 आवेदन पात्र थे। पात्र लाभार्थियों में से 2,810 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्राप्त हुआ है। इसलिए शेष 88 लोगों को भी जल्द ही लाभ मिलेगा। विभाग ने यह भी बताया कि 74 आवेदनों को अयोग्य मानते हुए जांच के लिए वापस भेज दिया गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

तिरुपति भगदड़ हादसा

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में बुधवार को मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है।

यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। तिरुपति में भी ऐसा ही हुआ। वहां टोकन लेने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े और देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। उसके बाद मची भगदड़ में छह लोगों की जान जाने की खबर आई। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा!

यह विचित्र है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ मचने की स्थिति में उसमें फंसे श्रद्धालुओं को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रबंध नहीं किया जाता। जबकि विशिष्ट अतिथियों को किसी भी प्रतिकूल स्थिति से बचाने के लिए उनके आने और जाने का अलग इंतजाम होता है। पिछले कुछ समय से इस तरह के आयोजनों में भीड़ के बेकाबू हो जाने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। कई राज्यों में हुए ऐसे कई हादसों में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

मगर ऐसी घटनाओं को रोकने को लेकर न तो कभी गंभीरता से विचार होता है, न कभी कोई ऐसी कार्रवाई होती है, जो आगे के आयोजनों के लिए सबक सिद्ध हो। ज्यादातर जांच रपटों में इसकी वजह भीड़ बताई जाती है, जबकि कुप्रबंधन का तथ्य आमतौर पर छिपा लिया जाता है। शायद ही कभी ऐसी भगदड़ और उसमें लोगों की मौत के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय की जाती है और प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता है। नतीजतन, ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।

सुलझाना होगा MSP का सवाल, दूर करना होगा असंतोष

पिछले दिनों उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केंद्रीय कृषि मंत्री की उपस्थिति में पीएम किसान सम्मान निधि में बदलाव के साथ किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए उनसे वार्ता की भी जरूरत जताई।

कृषि पर संसदीय मामलों की कमेटी ने भी न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की कानूनी गारंटी की सिफारिश की है। संसद के पटल पर रखी गई इस रपट में पीएम किसान सम्मान राशि को भी 6,000 से 12,000 रुपये करने की भी संस्तुति है।

इसी बीच अपनी मांगों को लेकर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के गिरते हुए स्वास्थ्य के कारण सरकारों की चिंता बढ़ रही है। 2020 में मोदी सरकार द्वारा तीन कृषि कानून लाने और फिर इन्हें खत्म करने के बाद भी किसान आंदोलन खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

कृषि उत्पादन व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सुविधा) कानून के अनुसार किसान मनचाही जगह पर अपनी फसल बेच सकते थे। कोई भी लाइसेंस धारक व्यापारी किसानों से सहमत कीमतों पर उपज खरीद सकता था। कृषि उत्पादकों का यह व्यापार राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए मंडी कर से मुक्त किया गया था।

किसान (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवा कानून किसानों से अनुबंध खेती करने और अपनी उपज का स्वतंत्र रूप से विपणन करने की अनुमति देने के लिए था। इसके तहत फसल खराब होने पर

नुकसान की भरपाई किसानों को नहीं, बल्कि एग्रीमेंट करने वाले पक्ष या कंपनियों द्वारा की जाती।

आवश्यक वस्तु संशोधन कानून के तहत असाधारण स्थितियों को छोड़कर व्यापार के लिए खाद्यान्न, दाल, खाद्य तेल और प्याज जैसी वस्तुओं से स्टाक सीमा हटा ली गई थी।

कृषि कानूनों से किसानों में यह बात घर कर गई कि इनके जरिये सरकार एमएसपी को खत्म कर देगी और उन्हें उद्योगपतियों का मोहताज बनाकर छोड़ देगी, जबकि सरकार का तर्क था कि इन कानूनों के जरिये कृषि क्षेत्र में नए निवेश के अवसर पैदा होंगे और किसानों की आमदनी बढ़ेगी।

कृषि संकट एक वैश्विक घटना है। कई देशों में छोटे किसानों को संसाधनों तक पहुंच की कमी, कम पैदावार, अस्थिर बाजार जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। भारत में इस कृषि संकट के चलते किसानों की आत्महत्या की घटनाएं 1970 से ही प्रारंभ हो गई थीं।

राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 1995 से 2014 के बीच 2,96,438 किसानों ने आत्महत्या की। 2014 से 2022 के बीच नौ वर्षों में यह संख्या 10,047 थी। नाबार्ड के अनुसार मौजूदा समय देश के सभी तरह के बैंकों का करीब 16 करोड़ किसानों पर 21 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। यानी प्रति किसान कर्ज 1.35 लाख रुपये है।

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन के अनुसार किसानों को जरूरी दर से कम एमएसपी देने से किसानों को लगभग 60 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके चलते किसान कर्ज में डूब गए हैं।

यह किसानों की आत्महत्या का एक बड़ा कारण है। इसी असंतोष के चलते 2020 में किसानों ने राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के साथ किसानों की मांगों पर सहमति बनाने के लिए एक कमेटी बनाने की बात कही।

कई दौर की मीटिंग के बाद भी आज तक उस कमेटी की रिपोर्ट का अता-पता नहीं है। अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी के कुछ निष्कर्ष अवश्य प्रकाश में आए हैं, जिसके अनुसार किसानों की लागत और कृषि हेतु लिए गए कर्ज का बोझ बढ़ रहा है।

समिति ने उन्हें इस संकट से मुक्ति दिलाने के लिए एमएसपी को कानूनी मान्यता सहित 11 मुद्दे चिह्नित किए हैं। हाल में कृषि उत्पादकता में गिरावट, बढ़ती कृषि लागत, अपर्याप्त मार्केटिंग सिस्टम और सिकुड़ते कृषि रोजगार से कृषि आय में गिरावट आई है।

प्रेम की ताकत से आध्यात्मिक अभ्यासों को तेजी मिलती है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

आंदोलन के बीच जीवन-मौत का संघर्ष

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि किसानों का आंदोलन लंबे समय से जारी है, उसके मुद्दे स्पष्ट हैं, लेकिन सरकार कोई भी ऐसा ठोस कदम उठाने के प्रति उदासीन दिख रही है, जो एक समाधान की राह तक पहुंचे। क्या यह साफतौर पर सरकार के भीतर राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव को प्रदर्शित नहीं करता कि वह किसानों की मांग को लेकर इस हद तक अगंभीर दिख रही है कि आंदोलन के एक नेता की सेहत दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है, उनके जीवन पर खतरा बढ़ता जा रहा है और वह हल के लिए सहमति बनाने के बजाय समस्या की अनदेखी करने में लगी है।

सवाल है कि आखिर किन वजहों से वह फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानूनी गारंटी पर स्थिति स्पष्ट नहीं करना चाहती है और उसका यह रुख किसके हित में है। गौरतलब है कि एक ओर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल पिछले पैंतालीस दिनों से अनशन पर हैं और उनकी हालत लगातार नाजुक बनी हुई है, दूसरी ओर, इसी मसले पर सरकार द्वारा मांगे नहीं मानने की वजह से बीते तीन हफ्ते के भीतर दो किसानों ने आत्महत्या कर ली।

यह समझना मुश्किल है कि एक लोकतांत्रिक सरकार इस हद तक उदासीन कैसे हो सकती है कि अपनी समस्याओं की अनदेखी किए जाने की वजह से किसानों के जान देने की खबरें आ रही है, वहीं उनके नेता का जीवन भी जोखिम में है। अगर किसानों के संगठित आंदोलन के सामने ऐसे चुनौतीपूर्ण हालात पैदा हो रहे हैं, तो बाकी मसलों के संदर्भ में अंदाजा लगाया जा सकता है। डल्लेवाल के अनशन और उनकी सेहत को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी चिंता जाहिर कर चुका है।

मगर इसके बावजूद सरकार कोई ऐसी राह तलाशने को लेकर उत्सुक नहीं दिख रही है, जिससे किसान आंदोलन की मांगों पर सभी पक्षों के बीच कोई सहमति कायम हो सके और डल्लेवाल अपना अनशन फिलहाल खत्म करें। अगर सरकार फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित किए जाने के मसले पर ईमानदार है तो वह इस संबंध में कानूनी गारंटी का प्रावधान करने से क्यों हिचक रही है? जबकि खुद एक संसदीय समिति भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी देने की वकालत कर चुकी है।

मौजूदा दौर में खेती-किसानी के सामने बढ़ती चुनौतियां किसी से छिपी नहीं है। बाजार के बदलते ढांचे के बीच किसानों की बढ़ती समस्याओं को दूर करने के मकसद से नीतिगत पहल करना सरकार को जरूरी नहीं लगता। उल्टे जिस तरह की व्यवस्था से किसान अपनी असहमति जताते हैं, भविष्य में उसके घातक परिणाम बताते हैं, सरकार को उस ओर कदम बढ़ाने में कोई हिचक नहीं होती।

पिछली बार किसानों के कई महीने चले आंदोलन के बाद सरकार को विवश होकर विवादित तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी थी। तब यह उम्मीद की गई थी कि अब सरकार किसानों के साथ मिल-बैठ कर इस समस्या पर सहमति के बिंदुओं की तलाश करेगी और कोई ठोस हल उभर कर सामने आएगा। मगर यह अफसोस की बात है कि किसानों को अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी के लिए लड़ाई लड़नी पड़ रही है और सरकार ने लगातार टालमटोल का रवैया अख्तियार किया हुआ है। सरकार और किसानों के बीच चल रही यह खींचतान की स्थिति अब एक नाजुक मोड़ पर पहुंच चुकी है। सरकार को चाहिए कि वह समय रहते इस समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल करे।

थार की कीमत में किसान ने खरीदे बैल

जरा हट के

कर्नाटक के कोलार जिले के मालूर तालुका के क्षेत्रनहल्ली गांव के किसान व कांग्रेस नेता के.एस. वेंकटेश गौड़ा ने हाल ही में हल्लिकार बैल खरीदे हैं. बता दें कि इन बैलों की कीमत है 15 लाख रुपये, जो कि किसी भी सामान्य बैल के मुकाबले काफी ज्यादा है. इन बैलों की कद-काठी बहुत ही शानदार है. बता दें कि इनकी ऊंचाई लगभग 6 फीट है.

हल्लिकार बैलों की खासियत

वेंकटेश गौड़ा का परिवार कई पीढ़ियों से हल्लिकार बैलों की देखभाल करता आ रहा है. उनके दादा और पिता भी बैल पालन के साथ-साथ खेती में लगे हुए थे. हल्लिकार बैल न केवल खेती में उपयोगी होते हैं, बल्कि इनकी देखभाल एक परंपरा बन चुकी है. इस पारंपरिक बैल पालन के साथ ही उनका परिवार कृषि के क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर चुका है.

बैलों ने जीता सम्मान, अब मिला नया खरीददार

वेंकटेश गौड़ा ने पिछले साल भीमेश्वर सफलांब मेले में अपने बैलों को प्रतियोगिता में भेजा था, जहां उन्होंने पहला पुरस्कार जीता था. अब, कुछ दिन पहले, राज्य कृषक समाज के अध्यक्ष पापन्ना स्वामी ने अपने हल्लिकार बैलों को 15 लाख रुपये में बेच दिया. यह बिक्री तुमकुरु के कुनिगल तालुका के चिक्कनहट्टी गांव में हुई, जिसने इस क्षेत्र में हल्लिकार बैलों की महत्ता को और भी बढ़ा दिया है.

हल्लिकार बैल की बढ़ती कीमत

बता दें कि इस तरह की बिक्री और बैलों की बढ़ती कीमत यह साबित करती है कि हल्लिकार बैल अब केवल खेती के काम के लिए नहीं, बल्कि एक व्यापारिक संपत्ति बन चुके हैं. इस खरीद-फरोख्त ने इस प्राचीन भारतीय परंपरा को एक नई दिशा दी है, और भविष्य में यह बैल और भी महंगे हो सकते हैं.

नुकसानदेह भी हो सकता है पालक का सेवन

■ बढ़ सकती हैं कई हेल्थ प्रॉब्लम्स

पालक का सेवन हेल्थ के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन-सी, कैल्शियम, आयरन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होता है. पालक हर तरह से गुणकारी माना जाता है लेकिन कई बार पौष्टिक आहार भी शरीर के लिए कष्टकारी हो सकता है. क्या आप जानते हैं कि पालक का अधिक सेवन कई हेल्थ प्रॉब्लम्स को बढ़ावा दे सकता है. नियमित रूप से पालक का अधिक सेवन करने से किडनी स्टोन के अलावा कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं. चलिए जानते हैं पालक के अन्य साइड इफेक्ट्स के बारे में.

■ पालक के मेजर साइड इफेक्ट्स

स्टाइलक्रेज के अनुसार पालक में ऑक्सलेट की मात्रा अधिक होती है और लंबे समय तक इसका सेवन करने से किडनी स्टोन कर समस्या हो सकती है. पालक में मौजूद विटामिन-के ब्लड को पतला करने वाली दवाईयों के साथ मिलकर नुकसान पहुंचा सकती हैं.

■ बढ़ सकती है किडनी स्टोन की समस्या

पालक में ऑक्सलेट कंपाउंड होते हैं जो अधिक मात्रा में सेवन करने से पथरी को बढ़ावा दे सकता है. ये स्टोन यूरिन में ऑक्सालेट की मात्रा बढ़ने से बनती है. किडनी स्टोन के सबसे आम प्रकार कैल्शियम ऑक्सालेट स्टोन हैं. सौ ग्राम पालक में 970 मिलीग्राम ऑक्सालेट होता है. पालक को उबालने से ऑक्सालेट की मात्रा कुछ हद तक कम हो सकती है. कैल्शियम बेस्ड फूड जैसे दही और पनीर को पालक के साथ मिलाकर खाने से पथरी को बनने से रोका जा सकता है.

■ दवाओं के प्रभाव को कम करता है

पालक में हाई विटामिन-के होता है जो अन्य दवाओं के साथ मिलकर दवाओं की प्रभावशीलता को कम करता है. आमतौर पर स्ट्रोक को रोकने के लिए ब्लड थिनर दिया जाता है. इसलिए अतिसंवेदनशील व्यक्तियों को पालक का सेवन कम करना चाहिए. एक कप कच्ची पालक में 145 एमसीजी पोषक तत्व होते हैं. सामान्यतौर पर पालक कभी-कभार या कम मात्रा में खाया जा सकता है.

■ गाउट के लक्षणों को बढ़ा सकता है

पालक में प्यूरीन केमिकल कंपाउंड होते हैं जो गाउट में योगदान करने के लिए माने जाते हैं. हालांकि प्यूरीनयुक्त सब्जियों के सेवन से गाउट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. पालक के अधिक सेवन से व्यक्ति का बीपी और ब्लड शुगर का स्तर बहुत कम हो सकता है. ये समस्या उन लोगों के साथ हो सकती है जो पहले से इन समस्याओं से जूझ रहे हैं. पालक का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें. पालक का सेवन हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है लेकिन कई बार अधिक सेवन नुकसान भी पहुंचा सकता है. पालक का सेवन करने से पहले चिकित्सक से सलाह अवश्य कर लें.

आंवला की लौंजी

खाना-खजाना

पोषक तत्वों से भरपूर आंवला ठंड में कई तरह से फायदेमंद होता है। सेहत और स्किन से लेकर बालों की सेहत को बनाए रखने में आंवला अच्छा माना जाता है। इसके साथ ही यह डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं को भी कंट्रोल कर सकता है। इम्यून सिस्टम बूस्ट करने के लिए इसे रोजाना अपनी डायट में शामिल करना चाहिए। जब आपका इम्यून सिस्टम स्वस्थ्य होगा तो आप मौसमी बीमारियों से खुद को बचा पाएंगे। हालांकि, ज्यादातर लोगों को इसका स्वाद पसंद नहीं होता है। अगर आपको इसका स्वाद अच्छा नहीं लगता है तो आप इसकी लौंजी बनाकर खा सकते हैं। ये पराठे के साथ अच्छा लगता है।

सामग्री

- 250 ग्राम आंवला
- 3 बड़े चम्मच गुड़
- 1 चम्मच सरसों का तेल
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1/2 छोटा चम्मच राई
- 1/2 छोटा चम्मच कलौंजी
- 1/2 छोटा चम्मच मेथी दाना
- 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन

- चुटकी भर हींग
- 1 चम्मच सौंफ
- 1/2 छोटा चम्मच सूखा धनिया पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला
- 1/2 छोटा चम्मच काला नमक
- नमक स्वाद अनुसार

कैसे बनाएं

लौंजी बनाने के लिए आंवला को धो लें और इसपर तीन जगहों से कट लगा लें। फिर इसे स्टीम कर लें। जब ये स्टीम हो जाए तो इसके बीज को अलग कर दें। अब कढ़ाई में तेल गर्म करें और फिर इसमें जीरा, राई, मेथी दाना, अजवाइन, कलौंजी और हींग डालें। कुछ ही सेकेंड में इसमें आंवला डालें। अच्छे से मिक्स करें और फिर इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, नमक डालें और फिर ढक दें। अब इसमें गुड़ डालें और इसे ढक दें। 4-5 मिनट के लिए इसे ढककर पकाएं। अब इसमें गरम मसाला, सौंफ., काला नमक डालें। मिक्स करें और सर्व करें।

ठंड में बढ़ जाता है अस्थमा अटैक का खतरा?

■ इन बातों का ध्यान रखना है बेहद जरूरी

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो अस्थमा की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन ज्यादातर मामलों में इसकी शुरुआत बचपन से हो जाती है. आमतौर पर यह पूरी उम्र चलने वाली बीमारी है इसे बस दवा और इनहेलर के माध्यम से काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है. एक छोटे बच्चे और एक वयस्क में इस बीमारी के लगभग एक समान लक्षण पाए जाते हैं.

प्रमुख लक्षण

- लगातार खांसी आना
- जुकाम बने रहना
- एक साथ कई छींकें आना
- हल्की सी मेहनत पर सांस फूलना
- सांस लेने के दौरान सीटी जैसी आवाज निकलना
- सीने में जकड़न महसूस होना
- घबराहट होना

अस्थमा रोग को बढ़ाने वाले कारक

- ठंडी हवा के संपर्क में रहना
- कोहरा, धुंध, धुवां, धूल, प्रदूषण का संक्रमण
- बंद घरों में रहने वाले पालतू कुत्ते और बिल्लियों के बालों से भी अस्थमा के लक्षण बढ़ जाते हैं
- फ्रिज में रखे ठंडे खाद्य पदार्थ का उपयोग करना

सर्दियों में ऐसे करें अस्थमा से बचवा

गर्म कपड़े पहनें: सर्दी के मौसम में अस्थमा और साइनस से पीड़ित मरीजों को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत पड़ती है. अस्थमा के अटैक से बचने के लिए गर्म या ऊनी कपड़े पहनने चाहिए. ठंडी हवाएं इसके लक्षण को बढ़ा सकती हैं इसलिए अपने शरीर को गर्म रखना चाहिए.

धुएं से बचें: सर्दियों में धुंआ अस्थमा रोगियों की परेशानी बढ़ा देता है इसलिए साइनस और अस्थमा रोगियों को धुएं से दूर रहना चाहिए. इसके साथ ही धूल से भी बचाव करना बेहद जरूरी है.

गुनगुना पानी पिएं: सर्दियों के मौसम में खांसी जुकाम की समस्या बढ़ जाती है और अगर यह कई दिनों तक रहे तो यह अस्थमा में बदल सकती है. इसलिए ठंड के मौसम में गुनगुना पानी पीते रहना चाहिए. गुनगुने पानी से फेफड़ों में होने वाली बलगम की समस्या भी दूर होती है.

शराब-सिगरेट से दूर: अलकोहल और धूम्रपान ये दोनों ही अस्थमा और साइनस रोगियों के लिए बेहद घातक हैं. धूम्रपान फेफड़े को कमजोर बनाता है जिससे अस्थमा रोगियों की तकलीफ बढ़ सकती है. इसलिए इन आदतों में बदलाव करना जरूरी है.

मुंह बंद करके सांस लें: बहुत से लोग मुंह से सांस लेते हैं जो अस्थमा को बढ़ावा देता है. अगर आप मुंह से सांस लेते हैं तो इससे अधिक मात्रा में ठंडी हवा आपकी श्वसन नली में जाती है और इससे सांस लेने का मार्ग अवरुद्ध होने लगता है. ठंडी हवा आपके फेफड़े में पहुंचती है जिससे अस्थमा का दौरा आने की संभावना भी बढ़ जाती है.

ठंड से बचने के लिए अपनाएं ये उपाय

ऊनी कपड़े- सर्दियों में शरीर को गर्म रखकर खुद को ठंड से बचाए रखने के लिए अच्छे ऊनी कपड़े पहनकर रखें। अगर आप यात्रा कर रहे हैं तो ट्रैवलिंग के दौरान अपने साथ एक अतिरिक्त जैकेट, श्रग या कार्डिगन के साथ एक ऊनी टोपी भी जरूर रखें। ताकि तापमान गिरने पर आप इन्हें पहनकर खुद को ठंड से बचा सकें। हालांकि ठंड से बचने के लिए कभी भी जरूरत से ज्यादा ऊनी कपड़े भी ना पहनें। ऐसा करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है।

धूप निकलने पर ही घर से बाहर टहलें-

अस्थमा या सांस संबंधी रोगों से पीड़ित लोग सुबह की जगह हल्की धूप निकलने पर ही घर से बाहर टहलने के लिए निकलें। सुबह की ठंडी हवा सांस की नली में दिक्कत बढ़ा सकती है, जिससे हृदयरोगियों की परेशानी बढ़ सकती है। बता दें, सुबह 8 से 10 बजे के बीच धूप लेने से विटामिन-डी की पूर्ति होती है।

हर्बल चीजों का करें इस्तेमाल- खांसी-जुकाम व बुखार जैसी समस्याएं होने पर अदरक, तुलसी, हल्दी और कालीमिर्च जैसी हर्बल चीजों से बना काढ़ा पी सकते हैं। इसके अलावा पानी को भी गुनगुना करके ही पिएं। इसके अलावा बॉडी को हाइड्रेट रखने और शरीर की ऊर्जा बनाए रखने के लिए मौसमी फल (संतरा, अमरूद, पपीता, चीकू) का जूस और सब्जियां (पालक, चुकंदर, आंवला, गाजर) का सूप पीएं।

चेहरा ढककर रखें- अपनी नाक और मुंह को ढकने के लिए स्कार्फ या फेस मास्क का उपयोग करें। ऐसा करने से ना सिर्फ हवा में मौजूद संक्रमण बल्कि शीत लहर से भी बचाव होगा।

आज का राशिफल

मेष : पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। रुके हुए कार्यों में गति आएगी। सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन : प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट में अनुकूलता रहेगी।

सिंह : पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या : वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

तुला : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक : पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

धनु : नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे। सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी।

मकर : कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ : यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन : शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बहराइच एसपी का 7 पुलिसकर्मियों पर ऐक्शन, पूरी चौकी को किया सस्पेंड, मचा हड़कंप

बहराइच. बहराइच में पुलिस अधीक्षक ने बड़ा ऐक्शन लिया है। यहां लापरवाही ओर अनुशासनहीनता पर विभागीय कार्रवाई करते हुए चौकी इंचार्ज समेत सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। दरअसल, आईजी अमित पाठी ने पुलिस अधीक्षक के साथ मामले को लेकर जांच करने घटनास्थ पर पहुंचे थे। इसके बाद एसपी ने पूरी चौकी को सस्पेंड किया। इसी कार्रवाई से महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना जिले के जालिम नगर पुलिस चौकी का है, जो मोतीपुर थाना क्षेत्र में स्थित है। इस चौकी पर 02/03 जनवरी 2025 की रात को एक ट्रक चढ़ गया था, जिसके परिणामस्वरूप फूस के मकान में संचालित चौकी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। इस हादसे का मामला पुलिस ने थाने में दर्ज करवाया था और इसके साथ ही जांच भी शुरू की गई थी। इस मामले को लेकर गुरुवार को आईजी अमित पाठक ने पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले में संदिग्धता मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया और शुक्रवार देर शाम चौकी इंचार्ज दिनेश बहादुर, हेड कांस्टेबल नरसिंह, रामानन्द, रामसुमेर, सिपाही गौरव कुमार, धर्मजीत और अवनीश कुमार को निलंबित कर दिया है। एसपी के ऐक्शन के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है।

चाइनीज मांझे ने फिर ले ली एक जान, कांस्टेबल की काट दी गर्दन; मौत

चाइनीज मांझे ने यूपी में फिर एक जान ले ली है। इस बार शाहजहांपुर में मांझे ने एक पुलिस कांस्टेबल की गर्दन काट दी। कांस्टेबल को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर कांस्टेबल के परिवार में कोहराम मच गया। महकमे में उनके साथी गमजदा हैं। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा है कि सुबह तक अच्छा-भला रहा शाहरुख हसन इस तरह एक मांझे की वजह से अब इस दुनिया में नहीं है। चाइनीज मांझे से पहले भी जानें जाती रही हैं। हाल ही में चाइनीज मांझे से मेरठ में एक बाइक सवार की गर्दन कट गई थी। उसकी भी जान चली गई थी।

शनिवार की दोपहर शाहजहांपुर में इस घटना से पुलिस महकमे में शोक फैल गया। किसी काम से बाइक पर सवार होकर बरेली मोड़ की ओर जा रहे कांस्टेबल शाहरुख हसन की चाइनीज माझे से गर्दन कट गई। उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज ले जाएगा जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शाहरुख हसन शाहजहांपुर पुलिस लाइन में तैनात थे। वह मूल रूप से अमरोहा के रजपपुर के रहने वाले थे। घटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

'EVM मतलब एवरी वोट अगेंस्ट मुल्ला'

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने शुक्रवार को मुस्लिमों को लेकर विवादित बयान दिया। महाराष्ट्र के सांगली की सभा में उन्होंने कहा कि हम ईवीएम की वजह से चुनाव जीते हैं और इससे कभी इनकार नहीं किया। विपक्ष ईवीएम का मीनिंग नहीं समझा। इसका मतलब है- 'एवरी वोट अगेंस्ट मुल्ला'।

राणे ने कहा- 'चुनाव जीतने के लिए हमें मुसलमानों के वोट की जरूरत नहीं है। मैं मुस्लिम समुदाय के पास वोट मांगने नहीं गया था। मैंने उनसे कहा कि तुम जो चाहो करो, लेकिन इस बार हिंदू जागरूक

हैं और उन्होंने हमें जिताया हैं।' मैं कट्टर हिंदू नेता हूं और मैं हमेशा उनके प्रति आलोचनात्मक रहा हूं, इसलिए उन्होंने मुझे हराने की योजना बनाई। मुझे हराने के लिए सऊदी और मुंबई से फंडिंग जुटाई गई, लेकिन हिंदू उनके सामने नहीं झुके।

नितेश ने कहा- 'आप जानते हैं हमारे विरोधी ईवीएम को लेकर किस तरह चिल्लाते हैं। वे इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि कैसे हिंदू एकजुट होकर हिंदुओं को वोट दे रहे हैं। वे हमेशा ईवीएम को दोष देते हैं। वे ईवीएम का मतलब नहीं समझते।'

लव जिहाद से हिंदू लड़कियों की जिंदगी बर्बाद

बीजेपी नेता ने कहा कि जब हम महाराष्ट्र में लव जिहाद की पीड़ितों से मिले तो पता चला कि वे कैसे पैसे का इस्तेमाल करके हमारी बहनों की जिंदगी बर्बाद करते हैं। उनको मालूम है कि हमारी हिंदू बहन कहां रहती है, कितनी अमीर है? फिर वे खुद को तैयार करते हैं। वे तय करते हैं कि उन्हें कौन-सी कार दिखाना है, कौन से कपड़े और किस ब्रांड की घड़ी पहनना है? इसके लिए पैसे भी उनके पास ऐसे काम करके ही आते हैं।

कुछ लोग हिंदू-मुस्लिम करने के लिए हैं

शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'नितेश राणे ने संविधान पर हाथ रखकर शपथ ली है। कुछ लोगों को हिंदू मुस्लिम करने के लिए रखा है।' आव्हाड ने कहा कि चुनाव होने के बाद से लोगों के मन में ईवीएम को लेकर शंका है। इस चुनाव में 201 बूथ पर हमला हुआ और 201 बूथ कैप्चर हुए।उन्होंने कहा- **जो लोग वोट देने आते थे, वे इंक लगाकर बाहर आ जाते थे, उन्हें वोट नहीं देने नहीं दिया गया। चुनाव आयोग को एसपी से लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी पर कार्रवाई करनी चाहिए।**

कन्नौज स्टेशन पर निर्माणाधीन वेटिंग हॉल गिरा

कन्नौज. कन्नौज रेलवे स्टेशन पर शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां दो मंजिला निर्माणाधीन स्टेशन का लिंटर अचानक ढह गया। मलबे में 40 से ज्यादा मजदूर दब गए। अब तक 21 घायल जिला अस्पताल पहुंचाए गए हैं। इनमें से 3 को कानपुर रेफर किया गया है।

हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। घायलों को ई-रिक्शे से अस्पताल ले जाया गया। सीनियर अफसरों ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। 1 जेसीबी और 3 गाड़ी फायर ब्रिगेड की मौके पर रेस्क्यू में जुटी हैं।

स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत दो मंजिला नई बिल्डिंग बन

रही थी। शनिवार सुबह लिंटर डालने का काम चल रहा था, तभी अचानक पूरा लिंटर ढह गया। यूपी सरकार मंत्री असीम अरुण भी मौके पर पहुंचे हैं। डीएम सुभ्रांत कुमार शुक्ला और एसपी बिनोद कुमार, सीओ सिटी घटनास्थल पर मौजूद हैं। सीएम योगी ने कन्नौज में हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंच कर राहत काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

हादसा शनिवार दोपहर करीब 3 बजे का है। उस दौरान रेलवे स्टेशन परिसर में अमृत योजना के तहत निर्माण कार्य चल रहा था। इस दौरान निर्माणाधीन एक बिल्डिंग में करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। तभी अचानक लेंटर भारभरकर ढह गया। जिससे उसके नीचे काम कर रहे करीब 25 मजदूर उसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग का लेंटर गिरने से उसके मलबे में करीब 20 मजदूर दब गए। हादसे के बाद हड़कंप मच गया।

पुलिस, प्रशासन और रेलवे के अफसर मौके के लिए रवाना हो गए। इसके अलावा जीआरपी और RPF की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने तुरंत राहत बचाव कार्य अभियान चलाया। वहीं मौके पर एसडीआरएफ को भी लगाया गया है। अभी तक मलबे से 6 मजदूरों को निकला जा सका है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। वहीं अन्य की तलाश की जा रही है। हादसे की सूचना पर मंत्री असीम अरुण, डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल सहित प्रशासनिक अमला मौजूद है। बचाव का काम जारी है।

कर्नाटक से नक्सलवाद खत्म?

- 'आखिरी हथियारबंद नक्सलियों' ने किया सरेंडर, दो को कोर्ट ने किया बरी

चिकमगलुरु. विशेष आतंकवाद निरोधी अदालत ने शुक्रवार को कर्नाटक के एक नक्सली नेता बी.जी. कृष्णमूर्ति और उनकी पत्नी प्रभा होसगड़े को बरी कर दिया। उन पर 2005 में चिकमगलुरु जिले के श्रृंगेरी स्थित कुद्रेमुख नेशनल पार्क के एक वन चौकी पर हुए हमले का आरोप था। यह फैसला ऐसे समय आया है जब गुरुवार को इसी विशेष अदालत ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के समक्ष आत्मसमर्पण करने वाले छह नक्सलियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इनमें से चार ऐसे हैं जिन्हें राज्य में बचे हुए आखिरी हथियारबंद नक्सली माना जा रहा है।

- कृष्णमूर्ति और होसगड़े को मिली बड़ी राहत

रिपोर्ट के मुताबिक, कृष्णमूर्ति (50) को दसवें और होसगड़े (30) को चौथे मामले में बरी किया गया है। दोनों ने क्रमशः 2021 में केरल और तमिलनाडु पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। हालांकि, कृष्णमूर्ति पर अभी भी कर्नाटक में 10 से अधिक और होसगड़े पर 16 से अधिक मामले लंबित हैं। कृष्णमूर्ति को 'चे' के नाम से भी जाना जाता है। वह एक वकील थे और आत्मसमर्पण से पहले नक्सलियों के सबसे ऊंचे पद पर थे। उन्होंने 2021 में केरल के वायनाड में आत्मसमर्पण किया था। उनके साथ कबनी दलम की कमांडर सावित्री ने भी आत्मसमर्पण किया था। सावित्री पूर्व में एक अन्य नक्सली नेता विक्रम गौड़ा की पत्नी थीं, जो 2024 में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था।

एक दर्जन लोग मर गए, अरबों की संपत्ति जल गई

- क्यों बेबस नजर आ रहा दुनिया का सबसे ताकतवर देश

कैलिफोर्निया. दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस क्षेत्र में इस सप्ताह भड़की भयंकर जंगल की आग ने अब तक करीब एक दर्जन लोगों की जान ले ली है और हजारों इमारतों और निवासों को राख और मलबे में बदल दिया है। इस आपदा से लाखों नागरिक विस्थापित हो गए हैं। आग ने अब तक 35,000 एकड़ से अधिक क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया है।

कम से कम 12 हजार मकान, इमारतें और अन्य संरचनाएं जलकर राख हो चुकी हैं। यहां हैरान करने वाला तथ्य ये है कि अमेरिका दुनिया का सबसे अमीर और ताकवर देशों में शुमार है लेकिन वह भी आग के सामने बेबस नजर आ रहा है।

ब्रेंटवुड क्षेत्र में अनिवार्य निकासी के आदेश

लॉस एंजिलिस के समृद्ध ब्रेंटवुड क्षेत्र के एक हिस्से में अनिवार्य निकासी आदेश जारी किए गए हैं। सांता मोनिका और मालिबू के बीच स्थित ₹पलिसे* आग₹ शुक्रवार को 8% तक नियंत्रित की गई थी। वहीं, पूर्व दिशा में अल्टाडेना और पासाडेना के पास ₹ईटन आग₹ केवल 3% तक नियंत्रित की जा सकी है। इन दोनों घटनाओं को कैलिफोर्निया के इतिहास की पांच सबसे विनाशकारी आग में गिना गया है।

शुष्क मौसम और तेज हवाएं बनीं कारण

सामान्य वर्षों में दक्षिणी कैलिफोर्निया को इस समय तक पर्याप्त बारिश मिल जाती है, जिससे वनस्पति में नमी बनी रहती है और आग लगने की संभावना कम हो जाती है। लेकिन इस साल क्षेत्र में अत्यधिक शुष्क परिस्थितियां बनी हुई हैं। महीनों से बारिश ना होने के कारण वनस्पति पूरी तरह सूख चुकी है। तेज हवाएं और सूखा मौसम मिलकर विनाशकारी आग भड़काने की स्थितियां पैदा कर रहे हैं।

बेटे को सुसाइड नोट भेजकर वृद्ध ने गंगा में लगा दी छलांग

वाराणसी. वाराणसी जिले के भेलूपुर थाना क्षेत्र के तुलसीघाट के पर सीढ़ी पर कपड़ा मोबाइल रखकर श्रीनिवास मूर्ति 65 वर्षीय ने देर रात में आत्महत्या कर लिये। आत्महत्या के पहले बेटे सिद्धार्थ के मोबाइल पर सुसाइड नोट भेजकर काशी में मोक्ष की कामना से गंगा में शरीर दान करने की बात लिखकर कूदकर जान देने की बात लिखी थी। मोबाइल पर पिता की आत्महत्या करने मोबाइल पर मैसेज मिलते ही बेटे सिद्धार्थ ने कंट्रोल रूम के नंबर पर फोनकर जानकारी दिए।

महाकुंभ आने वाले श्रद्धालु कर सकेंगे रामलला के दर्शन

अयोध्या. महाकुंभ मेला क्षेत्र स्थित परमार्थ निकेतन शिविर में शनिवार को भगवान श्रीराम की मूर्ति की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा के साथ स्थापित हुई। वैदिक मंत्रोच्चारण और भक्तिमय भजन के बीच हुए इस दिव्य आयोजन ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। यह आयोजन खास इसलिए भी रहा क्योंकि यह अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया। शिविर में 'मंगल भवन अमंगल हारी' और 'शिव स्तोत्र' जैसे भजनों कीए गूंज सुनाई दी, जिन्हें इटली के माही गुरुजी और उनके शिष्यों ने प्रस्तुत किया।

भारत में कर्मचारियों को सप्ताह में 90 घंटे करनी होगी ड्यूटी?

नई दिल्ली. भारत में इन दिनों ड्यूटी ऑवर यानी कि कामकाजी घंटों को लेकर बहस जारी है। लार्सन एंड टूब्रो (L&T) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यम ने 90 घंटे काम करने की सलाह देकर इस बहस को गरमा दिया है। सुब्रह्मण्यम ने उत्पादकता बढ़ाने के लिए लंबे कामकाजी घंटों के विचार का समर्थन किया। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि कर्मचारियों को रविवार को भी काम करना चाहिए।

उन्होंने कर्मचारियों से बातचीत के दौरान कहा, ₹मुझे खेद है कि मैं आपसे रविवार को काम नहीं करा

सकता। अगर मैं आपको रविवार को काम करा सकूं, तो मैं और खुश होऊंगा। आप घर पर बैठे क्या करते हो? आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हो?₹

यह पहली बार नहीं है जब किसी शख्सियत ने ऐसे विचार व्यक्त किए हैं। यह पूरी बहस 2023 में तब शुरू हुई थी जब इन्फोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भारतीयों से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए अतिरिक्त घंटे काम करने की अपील की थी। उन्होंने 70 घंटे कामकाजी सप्ताह की बात की थी और भारत की प्रगति के लिए इसे आवश्यक बताया था। इसके बाद से इस मुद्दे पर व्यापक बहस चल रही है। कई सीईओ और बॉस इस विचार का समर्थन कर रहे हैं, जबकि आलोचक कार्य-जीवन संतुलन की बहस को आगे बढ़ा रहे हैं।

योगी पर टिप्पणी करना युवक को पड़ गया भारी

बरेली. महाकुंभ मेले को लेकर सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बारे में अभद्र टिप्पणी करना और धमकी देना एक युवक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने धमकी देने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पुलिस ने अच्छा सबक सिखाया।

जेल भेजने से पहले पुलिस ने युवक का ऐसा हाल किया कि वह लंगड़ाने लगा और हाथ जोड़कर माफी भी मांगता नजर आया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार को आरोपी व्यक्ति को जेल भेज दिया गया। आरोपी का वीडियो भी अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दिल्ली में फर्जी आधार वाले बांग्लादेशियों से जुड़ गए AAP विधायक के तार!

नई दिल्ली. दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चल रहे ताबड़तोड़ ऐक्शन के बीच पुलिस की रडार पर आम आदमी पार्टी (आप) के एक विधायक आ गए हैं। दिल्ली पुलिस ने 'आप' के विधायक महेंद्र गोयल और उनके स्टाफ को तलब किया है। पुलिस विधायक और स्टाफ से सवाल-जवाब करना चाहती है। महेंद्र गोयल रिठाला से विधायक हैं। साउथ दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में आप विधायक और उनके ऑफिस स्टाफ को नोटिस देकर पूछताछ में शामिल होने के लिए कहा है। दिल्ली पुलिस ने यह नोटिस ऐसे समय पर जारी किया है जब बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर

'आप' और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज है।दिल्ली चुनाव में बांग्लादेशी और रोहिंग्या बड़ा मुद्दा बन चुके हैं।

सूत्रों के अनुसार, पिछले दिनों बांग्लादेशियों के फर्जी कागजात बनाने के मामले में रोहिणी से पकड़े गए गैंग से विधायक के स्टाफ के मिले होने की बात सामने आई है। उन फर्जी पहचान पत्रों और आधार कार्ड को बनाने में पते की पुष्टि के लिए इस्तेमाल कुछ सहयोगी कागजातों को विधायक कार्यालय से जारी किया गया था और उनमें से कुछ पर विधायक के हस्ताक्षर भी मिले हैं।

पिछले कुछ समय में दिल्ली पुलिस ने राजधानी के अलग-अलग इलाकों से दर्जनों बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा है। इनमें से अधिकतर को वापस उनके देश भी भेजा जा चुका है। कई घुसपैठियों के पास फर्जी आधार, वोटर कार्ड और पैन कार्ड जैसे दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस अब उन लोगों की तलाश में जुटी है जो अवैध रूप से देश में घुसे लोगों को फर्जी दस्तावेज बनाने में मदद करते हैं।

राहुल के आराम पर सिलेक्टर्स का यू-टर्न

- पहले रेस्ट दिया था, अब वनडे सीरीज खेलने को कहा

इंग्लैंड सीरीज के लिए केएल राहुल के सिलेक्शन पर BCCI सिलेक्टर्स ने यू-टर्न लिया है। चयनकर्ताओं ने उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलने को कहा है, ताकि राहुल को चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अच्छी प्रैक्टिस मिल जाए।

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि पहले राहुल को चैंपियंस ट्रॉफी तक आराम देने का फैसला किया गया था, जिसे अब बदल दिया गया है।

टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज खेलनी है। वनडे सीरीज के मुकाबले 6, 9 और 12 फरवरी को खेले जाएंगे। वहीं, टी-20 सीरीज के मैच 22 जनवरी से शुरू होंगे।

बॉर्डर-गावस्कर के सभी मैचों में खेले राहुल

केएल राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के सभी मुकाबले खेले थे। उन्होंने 5 टेस्ट मैचों में 30.66 की औसत से 276 रन बनाए थे। जिसमें 2

अर्धशतक शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी से भी कर्नाटक टीम से बाहर रहे

राहुल ने विजय हजारे ट्रॉफी से भी बाहर रहने का फैसला किया है। कर्नाटक की टीम 11 जनवरी यानी आज वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी। राहुल इसमें नहीं खेलेंगे। वहीं अगर कर्नाटक की टीम क्वार्टर-फाइनल को जीतकर आगे बढ़ती है, तो भी राहुल विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेंगे।

असम खदान हादसा, छठे दिन 3 शव मिले

- 5 मजदूर अब भी 300 फीट गहरी खदान में फंसे
- वाटर लेवल 6 मीटर घटा, रेस्क्यू जारी

गुवाहाटी. असम के दीमा हसाओ जिले में 300 फीट गहरी कोयला खदान से शनिवार को तीन शव निकाले गए। इनमें एक सुबह और दो दोपहर में मिले। अब तक चार मजदूरों के शव मिल चुके हैं। इनमें से 2 की पहचान नहीं हो सकी है। शनिवार सुबह 27 साल के लिजान मगर का शव पानी पर तैरता मिला था। वह दीमा हसाओ के कलामती गांव नंबर 1 का निवासी था। इससे पहले बुधवार को नेपाल के रहने वाले गंगा बहादुर श्रेठ का शव मिला था।

NDRF की टीम शनिवार सुबह पानी का लेवल चेक करने गई थी, तभी उन्हें लिजान मगर का शव को तैरता दिखा। उसे सुबह करीब 7:30 बजे बाहर निकाला गया। खदान में पानी का लेवल 6 मीटर कम हो गया है। 5 पंप से रात भर पानी निकाला गया।। इधर, असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का कहना है कि यह अवैध खदान नहीं थी, बल्कि 12 साल पहले बंद कर दी गई थी। तीन साल पहले तक असम खनिज विकास निगम के अधीन थी। 6 जनवरी को पहली बार मजदूर खदान में घुसे थे।

3 किलो उमरंगसो में बनी इस खदान में 6 जनवरी को पानी भर गया था। जिससे वहां काम कर रहे रैट होल माइनर्स फंस गए। बाकी बचे 5 मजदूर के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन आज भी जारी है।

दिल्ली में 2026 करोड़ का घाटा

AAP का पाप बाहर, CAG रिपोर्ट पर BJP का वार

नई दिल्ली. बीजेपी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और अरविंद केजरीवाल पर जोरदार हमला बोला है। यह हमला दिल्ली शराब नीति से जुड़ी सीएजी रिपोर्ट पर किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएजी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली शराब नीति से सरकारी खजाने को 2026 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसके अलावा रिपोर्ट में शराब नीति के क्रियान्वयन में कई खामियां पाई गई हैं। बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने इस मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा है कि दिल्ली में 2026 करोड़ का राजकोषीय घाटा हुआ है।

अनुराग ठाकुर ने कहा, अनुराग ठाकुर ने कहा, आम आदमी पार्टी ने कहा था पाठशाला बनाएंगे, लेकिन मधुशाला बनी। यह लोग झाड़ू की बात करते थे लेकिन झाड़ू से दारू पर आए। यह लोग स्वराज की बात करते थे लेकिन शराब पर आए। इनकी 10 सालों की यात्रा घोटालों और आप के पाप की है। दिल्ली में 2026 करोड़ का राजकोषीय घाटा अरविंद केजरीवाल ने किया है। अनुराग ठाकुर ने कहा, अगर AAP नीतियां इतनी अच्छी थीं तो उसे वापस क्यों ले लिया गया। आज AAP के पास दिल्ली की टूटी सड़कें, घरों में गंदा पानी, बढ़ते बिजली बिल, कूड़े के पहाड़ और प्रदूषण का कोई जवाब नहीं है। दिल्ली 'आप-दा' से मुक्त होना चाहती है।

उन्होंने कहा वो आदमी जो कहता था कि बड़ा घर गाड़ी स्कियोरिटी गार्ड नहीं लूंगा आज उसने बड़ा घर नहीं शीशमहल बनाया है। बड़ी गाड़ी नहीं, सबसे बड़ी गाड़ी ली है। एक जगह नहीं दो राज्यों की सिक्योरिटी ली है ऐर एक घोटाला नहीं कई घोटाले किए हैं। आप का पाप जिसके नेतृत्व में हुआ वह अरविंद केजरीवाल है।

शाह बोले- केजरीवाल ने अन्ना जैसे संत का इस्तेमाल किया

- सत्ता में आकर भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़े
- 5 फरवरी आप'दा से मुक्ति का दिन

नई दिल्ली. दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को झुग्गी बस्ती प्रधान सम्मेलन में कहा कि दिल्ली के झुग्गीवासी झूठे वादे करने वाले अरविंद केजरीवाल को सबक सिखाने जा रहे हैं। 5 फरवरी दिल्ली का आप'दा से मुक्ति का दिन है। इस दिन दिल्ली को करप्शन से मुक्ति मिलेगी। AAP सरकार ने दिल्ली को नरक बनाने का काम किया है। जिन लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन किया। अन्ना जैसे संत पुरुष को आगे करके सत्ता में आए, उन्होंने इतना भ्रष्टाचार किया कि सारे रिकॉर्ड टूट गए। दिल्ली सरकार 10 साल से डिजास्टर बनी हुई है। पूरा देश कहां से कहां पहुंच गया, लेकिन दिल्ली वाले वहीं रह गए। पंजाब के लोग कह रहे हैं कि केजरीवाल को वोट मत दो, क्योंकि वे झूठे हैं, विश्वासघाती हैं, भ्रष्ट हैं।

इस सम्मेलन में राजधानी के करीब 30,000 झुग्गी बस्तियों के प्रधान ने हिस्सा लिया। शाह ने उनकी समस्याओं को सुना।

भारतीय सेना को मिला हिमकवच

- DRDO ने लांच की नई यूनिफॉर्म
- जवानों को -60C तापमान में भी ठंड नहीं लगेगी

नई दिल्ली. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने सियाचिन और लद्दाख बॉर्डर पर भीषण ठंड में तैनात सैनिकों के लिए नई यूनिफार्म लांच की। इसे हिमकवच नाम दिया गया है। यूनिफॉर्म ने सभी टेस्टिंग पास कर ली हैं। हिमकवच 20C से लेकर -60C तक के तापमान पर काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हिमकवच एक क्लोदिंग सिस्टम है जिसे कई लेयर की ड्रेसेज मिलाकर तैयार किया गया है। सभी लेयर्स को गर्मी पैदा करने के लिए इन्सुलेशन सिस्टम के मुताबिक बनाया गया है। इन लेयर्स में सांस लेने की केपेसिटी और आराम का ध्यान भी रखा गया है। हिमकवच सिस्टम को मॉड्यूलर डिजाइन किया गया है। जवान इसमें मौसम के मुताबिक लेयर हटा और जोड़ सकते हैं।

अभी सैनिक ECWCS यूनिफॉर्म पहनते हैं

अभी माइनस डिग्री में बॉर्डर पर तैनात सैनिक तीन लेयर वाली एक्सट्रीम कोल्ड वेदर क्लोथिंग सिस्टम (ECWCS) से बनी यूनिफॉर्म पहनते हैं। इसे DRDO के डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज (DIFAS) ने डेवलप किया था। ECWCS यूनिफॉर्म से सैनिकों को इन्सुलेशन और वॉटरप्रूफिंग मिलती है, लेकिन सियाचिन जैसी भीषण ठंड पड़ने वाली जगहों पर ये पूरी तरह कारगर नहीं है।

संक्षेप...

77 हजार की कोडीन युक्त कफ सिरप लेकर जा रहे 2 युवक पुलिस की गिरफ्त में

भिवंडी. कोन गांव पुलिस ने कोडीनयुक्त कफ सिरप की बोतल विक्री के लिए जा रहे भिवंडी कल्याण मार्ग से रात्रि साढ़े 8 बजे नौशाद अन्सार अहमद शेख (45) बंजार पटटी नाका एवं मो. तौकीर फारूख अन्सारी

(24) नागाव निवासी को गिरफ्तार कर उसके पास से अल्ट्रोक्स सीडी, ट्रायप्रोलिडाइन, कोडीमोस्टर, क्लोरफेनिरामाइन नामक प्रतिबंधित कोडीन युक्त दवा की 467 बोतल 77 हजार रुपए कीमत की बरामद की है.पुलिस हवलदार प्रशांत राणे की शिकायत पर कोनगाव पुलिस ने एनडीपी नियम के तहत आपराधिक मामला दाखिल कर दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया है.

CM फडणवीस ने शरद पवार को चाणक्य कहा

- शरद-अजित के एक होने की चर्चा पर बोले- राजनीति में कुछ भी मुमकिन है

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने NCP (SP) चीफ शरद पवार की तारीफ करते हुए उन्हें राजनीतिक का चाणक्य बताया है। दरअसल, पवार ने 9 जनवरी को RSS की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि 'RSS की वजह से भाजपा चुनाव जीती। हमें भी उनके जैसा कैडर बनाना होगा।'

फडणवीस ने कहा- शरद पवार चाणक्य हैं। उन्होंने महसूस किया होगा कि लोकसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी की ओर से फेक नैरेटिव फैलाया गया था, जो विधानसभा चुनावों में पंचर हो गया। पवार को पता है कि यह शक्ति (RSS) लगातार राजनीति नहीं करती है, ये राष्ट्र का निर्माण कर रही है। कई बार अपने विरोधी की भी तारीफ करनी पड़ती है, इसी वजह से RSS की तारीफ की होगी।'

उन्होंने शरद पवार और उनके भतीजे डिप्टी CM अजित पवार के एक होने की चर्चा पर कहा- पिछले 5 साल में महाराष्ट्र की राजनीति में जो भी घटनाएं घटी हैं, उससे ये समझना चाहिए कि राजनीति में कुछ भी मुमकिन है। उद्धव वहां (कांग्रेस के साथ) जा सकते हैं, अजित यहां आ सकते हैं। कोई अगर दावा करें कि ऐसा नहीं होगा, तब राजनीतिक परिस्थितियां तुम्हें कहां ले जाकर बिठा देगी इसका भरोसा नहीं है।'

फडणवीस शुक्रवार को नागपुर में RSS के वरिष्ठ स्वयंसेवक विलास फडणवीस की स्मृति में आयोजित पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे।

फडणवीस ने मनपा चुनाव में महायुति की जीत का दावा किया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आने वाले नगर निगम चुनाव में महायुति गठबंधन की जीत का दावा किया है। शनिवार को फडणवीस ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हमें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है कि महाविकास अघाड़ी गठबंधन टूटेगा या रहेगा। हमारी महायुति सरकार का प्रयास महाराष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाना है। हमें यकीन है कि आने वाले सभी (नगर निगम) चुनावों में जनता का आशीर्वाद हमारे महायुति गठबंधन के साथ रहेगा।

संजय राउत ने निकाल दी विपक्षी एकता की हवा

- बोले- मनपा चुनाव अकेले लड़ेंगे
- कांग्रेस-शरद पवार से गठबंधन नहीं

मुंबई. I.N.D.I.A. ब्लॉक में बढ़ती रार के बीच शिवसेना (UBT) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शनिवार को कहा कि पार्टी मुंबई और नागपुर महानगरपालिका के चुनाव अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा, 'हम मुंबई और नागपुर महानगरपालिका अपने दम पर लड़ेंगे; जो भी होगा, हमें खुद देखना होगा। उद्धव ठाकरे ने हमें संकेत दिया है। मैंने अभी-अभी हमारे नागपुर शहर अध्यक्ष प्रमोद मनमोड़े से इस बारे में चर्चा की है।'

राउत ने कहा, 'यह फैसला लोकल लेवल पर पार्टी मजबूत करने के लिए लिया गया है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को मौका नहीं मिलता। इससे पार्टी की ग्रोथ प्रभावित हो रही है। हमें नगर निगम, जिला परिषद और नगर पंचायत में अपने दम पर लड़ना चाहिए और अपनी पार्टी को मजबूत करना चाहिए।'

> सच है कि I.N.D.I.A. गठबंधन लोकसभा के लिए बना था। चुनाव बाद इसकी एक भी बैठक नहीं हुई। हम कन्वीनर भी घोषित नहीं कर पाए। इसकी जिम्मेदार कांग्रेस है।
>
> **संजय राउत**
> सांसद, शिवसेना (UBT)

इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को कहा था, 'I.N.D.I.A. गठबंधन की तरह महाराष्ट्र चुनाव में भी MVA के बीच कोई तालमेल नहीं था।'

संजय राउत ने शुक्रवार को कहा था, 'मैं उमर अब्दुल्ला से सहमत हूं। यदि I.N.D.I.A. ब्लॉक के सहयोगियों को लग रहा है कि अब इसका कोई वजूद नहीं है तो इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'अगर गठबंधन सिर्फ लोकसभा के लिए था और अब इसका वजूद नहीं है तो कांग्रेस इसकी घोषणा कर दे, हम अपने-अपने रास्ते चुन लेंगे, लेकिन मैं बता दूं कि अगर एक बार I.N.D.I.A. ब्लॉक टूट गया तो दोबारा नहीं बन पाएगा, इसलिए पहले ये सोच लें कि आगे क्या होगा।'

राउत जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बयान पर बात कर रहे थे। उमर ने 9 जनवरी को कहा था कि गठबंधन लोकसभा चुनाव तक ही था तो इसे खत्म कर देना चाहिए।

नाटक महोत्सव में भिवंडी के टीम की सराहनीय सफलता

भिवंडी. कला संगम बिहार पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से अखिल भारतीय नाटक महोत्सव का आयोजन करता आ रहा है. जिसमें पिछले कई वर्षों से भिवंडी के विभिन्न नाटक समूह भी भाग लेते रहे हैं. प्रतियोगिता में प्रसिद्ध नाटककार एवं निर्देशक मुहम्मद सादिक अंसारी के कई नाटक उक्त मुकाबले में प्रस्तुत किए गए हैं और अनेकों बार पुरस्कार जीतकर इतिहास रचा है. अदा फाउंडेशन भिवंडी ने खान सलीम द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक, ₹एक एहसास₹ प्रस्तुत किया।जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया. गौरतलब है कि, नाटक प्रतियोगिता में सत्ताईस राज्यों के नाटक समूहों ने भाग लिया था. प्रतियोगिता में खान सलीम को सर्वश्रेष्ठ लेखक का पुरस्कार दिया गया. खान जोया और खान अलिश्बा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया. नाटक को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया.नाटक के सभी कलाकारों का अभिनय दर्शकों को खूब पसंद आया. सराहनीय सफलता पर अदा फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ड्रामा के लेखक एवं निर्देशक खान सलीम और सभी कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

'सुरक्षा का हम चर्चा तब करते हैं जब सड़क दुर्घटनाएं होती हैं'

- RTO अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

ठाणे. राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि जब किसी व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो मृतक के परिजनों का दुख बहुत अधिक होता है और फिर हम यही चर्चा करते रहते हैं कि दुर्घटना में गलती किसकी है। सड़क दुर्घटना पर परिवहन मंत्री सरनाईक ने इस बात पर जोर दिया कि यातायात नियमों का पालन करने और वाहन की गति को नियंत्रित रूप से चलाने से ही दुर्घटनाओं में कमी आयेगी।

सड़क सुरक्षा मिशन 2025 के तहत ठाणे आरटीओ कार्यालय की ओर से दादोजी कोंडदेव स्टेडियम में परिवहन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है।इस टूर्नामेंट का उद्घाटन परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के हाथों से किया

गया।परिवहन मंत्री ने कहा कि जब मैं स्विटजरलैंड गया था तो पहाड़ की घाटियों, घुमावदार संकरी सड़कों और प्रकृति से घिरे दिखाई दिया उस तुलना में हमारे देश में दुर्घटनाओं की संख्या बहुत कम है।यहां जब ड्राइवर से इसका कारण पूछा तो उसने कहा कि हम यातायात के नियमों के मुताबिक गाड़ी चलाते हैं।जहां पर प्रति किलोमीटर घंटे की गति सीमा है, वहां उसी गति से गाड़ी चलाते है।जबकी 120 की गति से भी गाड़ी चलाने की भी अनुमति है।लेकिन दुर्घटना के बाद ड्राइवर साफ कहता है कि वह नियम तोड़कर गाड़ी नहीं चला रहा था।परिवहन मंत्री सरनाईक ने कहा कि यदि सड़क दुर्घटना को रोकना है तो यातायात नियमों का पालन करने के लिए कहा।इस क्रिकेट टूर्नामेंट में राज्य की 23 टीमों ने भाग लिया है, जिनमें अतिरिक्त परिवहन आयुक्त भरत कालस्कर, पनवेल आरटीओ अधिकारी जयंत पाटिल, ठाणे आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल, उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर आदि शामिल हैं।

> वाहनों की बढ़ती संख्या और लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार को कुछ कड़े फैसले लेने पड़ेंगे।सबसे पहले नई कार खरीदते समय कार मालिक को अपनी कार रखने के लिए पार्किंग की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।
>
> -प्रताप सरनाईक
> (परिवहन मंत्री)

'मनपा चुनाव में मजबूती से काम करना होगा'

- पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटील ने कार्यकर्ताओं को किया प्रोत्साहित

भिवंडी. लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बाद अब आगामी स्थानीय स्वराज्य संस्था चुनाव पूरी तरह से कार्यकर्ताओं द्वारा लड़े जाएंगे. पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को पूरी ताकत झोंक कर सदस्य अभियान कार्यक्रम को सफल बनाना होगा. उक्त उद्गार पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील ने राजनोली स्थित वाटिका होटल सभागृह में भारतीय जनता पार्टी भिवंडी तालुका द्वारा आयोजित संगठन पर्व के तहत सदस्यता अभियान की समीक्षा बैठक में व्यक्त किया. उक्त अवसर पर ठाणे जिला ग्रामीण सदस्यता अभियान निरीक्षक सांसद डॉ. हेमंत सावरा, सदस्यता अभियान राज्य सह-संयोजक और पूर्व विधायक नरेंद्र पवार, तालुका अध्यक्ष पी.के. म्हात्रे, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र भोईर, जिला उपाध्यक्ष वसंत पाटील, आदिवासी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष शांताराम पाटील, पूर्व सभापति रविना जाधव सहित सैकड़ों पदाधिकारी और प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे. पूर्व मंत्री कपिल पाटील ने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि, भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के लिए 2 लाख और भिवंडी तालुका के लिए 70,000 सदस्यता का लक्ष्य रखा गया है. सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि भाजपा एक अनुशासित पार्टी है. हर बूथ पर कम से कम 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है. यह असंभव नहीं है. भिवंडी तालुका से 70,000 से अधिक सदस्य आसानी से जोड़े जा सकते हैं. नरेंद्र पवार ने भी मार्गदर्शन किया. कार्यक्रम के दौरान वज्रेश्वरी-अकलोली जिला परिषद क्षेत्र शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा में प्रवेश किया.सभी नए कार्यकर्ताओं का पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया.कार्यक्रम का प्रारंभिक संबोधन तालुका अध्यक्ष पी.के. म्हात्रे ने किया और सभी कार्यकर्ताओं को सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया.

काला जादू के नाम पर ढोंगी बाबा ने 8.87 लाख रु. ठगे

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन हद में एक महिला से बीमार पति,बच्चे पर काला जादू उतारने के लिए ढोंगी बाबा ने 8 लाख 87 हजार रुपए महिला से ठग लिया है.महिला की शिकायत पर पुलिस ने ढोंगी बाबा के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर विवेचना कर रही है.

मिल्लत नगर निवासी एक महिला का पति,बच्चा बीमार होने से वह झाड़ फूंक के लिए तथाकथित ढोंगी बाबा के पास गई.ढोंगी बाबा ने बताया कि,तुम्हारे पति,बच्चे पर शैतान का साया है. शैतान का साया उतारने के लिए एक मृतक शरीर की जरूरत पड़ेगी.बाबा ने महिला को अपने शब्दजाल में फंसाकर कहा कि,किसी अस्पताल के मुर्दाघर से मुर्दा शरीर लाकर तांत्रिक विधि से उपचार करेंगे तो सब कुछ ठीक हो जाएगा.ढोंगी बाबा ने महिला से तांत्रिक विधि से शैतान को खत्म करने के लिए 2 वर्षों में 8 लाख 87 हजार रुपए ठग लिया लेकिन कोई फायदा नहीं होने पर महिला ने जब पैसा वापस लेने के लिए दबाव डाला तो ढोंगी बाबा अपनी खोली से रफूचक्कर हो गया.पीड़ित महिला को बाबा से ठगे जाने का एहसास हुआ तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.पुलिस जादू टोना प्रतिबन्धक कानून के तहत आपराधिक मामला दर्ज कर फरार ढोंगी बाबा की तलाश कर रही है.

विवाहिता ने की आत्महत्या, ससुराल वालों पर मामला

भिवंडी. पीड़ित महिला की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज हुआ है. शिकायतकर्ता सानिया इस्तियाज शेख (28) ने आरोप लगाया है कि उसकी लड़की के पति और ससुराल वालों ने उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, जिससे उसकी लड़की गुलशन उर्फ सायमा(20) रमज़ान शेख फातमा नगर निवासी ने 25 अक्टूबर को आत्महत्या कर ली.उनका आरोप है कि सायमा शेख को उसके पति रमजान अली शेख, सास समिना शेख और ननद सबीना शेख आदि ने मानसिक,शारीरिक प्रताड़ना दी.

राज्यस्तरीय बोलीभाषा एकांकीका प्रतियोगिता के

SST महाविद्यालय का फाइनल में प्रवेश

उल्हासनगर. एसएसटी महाविद्यालय की ड्रामानॉमिक्स टीम ने सुप्रिया प्रोडक्शन्स, दैनिक वृत्तमानस और अखिल भारतीय मराठी नाट्य परिषद के संयुक्त आयोजन में हुई राज्य स्तरीय बोलीभाषा एकांकीका प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता और अभिनय कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत एकांकीकाओं ने दर्शकों की वाहवाही बटोरी और निर्णायकों का दिल जीत लिया। इस प्रतियोगिता का यह आठवां वर्ष है।

प्रतियोगिता में एसएसटी महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने 'ऑपरेशन' शीर्षक वाली एकांकीका प्रस्तुत की, जो जाति प्रथा के कैंसर पर आधारित एक हृदयस्पर्शी कहानी थी। इस प्रस्तुति में कुल 42 विद्यार्थी शामिल थे। 22 टीमों ने भाग लिया, और इस प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनकी एकांकीकाओं में मानवीय जीवन की विविध भावनाओं का गहन चित्रण किया गया। ड्रामानॉमिक्स टीम के सदस्यों ने प्रत्येक तैयारी चरण में कड़ी मेहनत की। उनके अभिनय कौशल के साथ-साथ लेखन, निर्देशन और प्रस्तुति के बारीकियों ने सभी को प्रभावित किया। फाइनल में पहुंचकर उन्होंने महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस एकांकीका का लेखन और निर्देशन नितिन सावले ने किया, जबकि हर्षल सूर्यवंशी और सदान जावरे ने उनका सहयोग किया। अब फाइनल में अपनी चमक बिखेरने के लिए एसएसटी महाविद्यालय की टीम तैयार है। सभी ने उन्हें फाइनल के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सफाई कर्मियों को विरासत का लाभ मिलेगा -विधायक केलकर

ठाणे. विधायक संजय केलकर ने कहा कि उत्तराधिकार अधिकार का लाभ जो केवल अनुसूचित जाति समाज के सफाई कर्मचारियों को मिलता है अब सामान्य कर्मचारियों को भी मिलेगा। विधायक केलकर के सतत प्रयास का लाभ ठाणे सहित राज्य के 50 हजार सफाई कर्मचारियों को मिलेगा। इस विषय पर औरंगाबाद खंडपीठ द्वारा दिये गये फैसले से सफाई कर्मियों में खुशी का माहौल है। पहले केवल अनुसूचित जाति के कर्मचारियों को ही इसका लाभ मिलता था। इससे अन्य जाति के सफाई कर्मियों के कई सवाल लंबित रह गया था। विधायक केलकर ने छह विधानसभा सत्रों में कर्मचारियों की इस मुद्दे को उठाया था और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी चर्चा किया था। लाड-पागे कमेटी की रिपोर्ट में सिफारिश की गई कि सामान्य सफाई कर्मचारियों को विरासत के अधिकार का लाभ मिलना चाहिए।

मुलुंड में चल रहा मां शाकंभरी महालक्ष्मी यज्ञ

मुंबई. मां शाकंभरी महालक्ष्मी यज्ञ मुलुंड पश्चिम स्थित श्री उदासीन आश्रम में चल रहा है। इस हवन में काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं ।

यह शाकंभरी महालक्ष्मी महायज्ञ का आयोजन श्री विद्या सेवा साधना समिति ठाणे द्वारा आयोजित किया गया है ।इसका समापन13को होगा। इस मौके पर श्री विद्या उपासक मनोज जोशी ने कहा कि मां शाकंभरी के पूजन हवन और यज्ञ से भक्तों के सभी कष्ट दूर होते हैं और उनकी मनोकामना पूरी होती है।उन्होंने बताया कि राक्षसों के अत्याचार से देवी देवता परेशान थे। उनके आग्रह पर मां शाकंभरी खुद प्रकट हुई थी और राक्षसों का नाश किया था।

मनोज जोशी महाराज ने कहा कि मां शाकंभरी के पूजन से मानव का लौकिक और पारलौकिक जीवन सुधरता है। इनका श्रृंगार हरे शाक सब्जी से किया जाता है।

यह हवन पूजन महायज्ञ सुबह साढ़े 9 बजे से साढ़े 12 बजे और सायं 5 से साढ़े 6बजे तक चल रह है। इस महायज्ञ में प्रदीप पांडेय, कनू भाई पटेल,अनीश राठी प्रीती भानुशाली के अलावा काफी संख्या में अन्य श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

आम सूचना

मैं श्रीमती लता हिरन्ना उप्परी सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, मराठी प्रायमरी स्कूल के पास, शहाड गावठाण के पास, तानाजी नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014184900) उक्त प्रॉपर्टी श्री शमसुद्दीन अकबर शेख के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 10.1.2025 सी.नं. 187/2025 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती लता हिरन्ना उप्परी

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name from
SAROOP PANCHNAND DAS
to now My New Name is
SAROOP PANCHANAN DAS.
So all the public now call me
SAROOP PANCHANAN DAS.

(Add: Samrat Ashok Nagar, Behind Shankar Parmar House Ulhasnagar-421002. Dist Thane).

सामंथा रुथप्रभु को हुआ चिकनगुनिया

- जोड़ों में तेज दर्द होने के बावजूद जिम में कर रही हैं इंटेंस वर्कआउट

सामंथा रुथप्रभु ने शुक्रवार को एक स्टोरी शेयर कर चिकनगुनिया होने की जानकारी फैंस से शेयर की थी। गंभीर बीमारी की जानकारी देने के लिए एक्ट्रेस ने अपने वर्कआउट की वीडियो शेयर कर बताया है कि वो इस कंडीशन में भी हार नहीं मान रही हैं।

सामंथा रुथप्रभु ने हाल ही में अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट की है। वीडियो में एक्ट्रेस जिम में इंटेंस वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने लिखा है, चिकनगुनिया से रिकवर करना कितना फन है। जॉइंट पेन और सब कुछ।

बताते चलें कि सामंथा रुथप्रभु बीते लंबे समय से अपनी हेल्थ कंडीशन के चलते सुर्खियों में रहती हैं। साल 2022 में सामंथा ने बताया था कि उन्हें मायोसाइटिस नाम की एक रेयर बीमारी है। ये एक तरह की ऑटो-इम्यून डिसीज है जिसमें शरीर की मसल्स धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जाती हैं। इस कंडीशन में चलने और खड़े रहने में तकलीफ होती है।

- बीमारी के चलते फिल्मों से ले लिया था ब्रेक

कुछ समय पहले एक्ट्रेस अमेजन प्राइम की सीरीज सिटाडेलःहनी बनी में नजर आई थीं। इस फिल्म के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान सामंथा ने बताया था कि सीरीज सिटाडेलः हनी बनी की शूटिंग के दौरान उन्हें मायोसाइटिस डायग्नोज हुआ था। हेल्थ कंडीशन के चलते एक्ट्रेस ने सीरीज छोड़ने का फैसला किया और करियर से ब्रेक ले लिया।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099